



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—लग्न 3—अंग विषय (A)

PART II—Section 3—Sub-section (A)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

म. 350] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 3, 1989/आषाढ़ 12, 1911
No. 350] NEW DELHI, MONDAY, JULY 3, 1989/ASADHA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ अंशों की जाती हैं जिससे यह अलग एकांक के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation.

विन मंत्रालय

(शास्त्रिक कार्य विभाग)

(वैकिक प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जून, 1989

मा. का. नि. 668 (अ) :—रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपयोग) प्रतिनिधि, 1985 (1986 का 1) की धारा 36 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण अधीन राधिकरण (अवधारणा एवं अन्य 1823 GI/89

सदस्यों के बेतन और भत्ते तथा सेवा-पत्रों) नियम, 1987 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रार्थ—

1. अधिकार गति और आवृत्ति—(1) इन नियमों को औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण शमील प्राधिकरण (अग्रज एवं अन्य सदस्यों के बेतन और भत्ते तथा सेवा-पत्रों) नियम, 1987 (इसे इसके पासांतरा तिथि छह जून 1989) में, नियम 3 के उपनियम (2) के प्रस्तुत के स्थान पर, निम्नलिखित प्रस्तुत प्रतिस्पापित किया जाएगा, अधिकार—

(2) ये जून 1988 के पहले दिन भे द दर्शन होंगे।

2. अंदीखिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण शमील प्राधिकरण (अग्रज एवं अन्य सदस्यों के बेतन और भत्ते तथा सेवा-पत्रों) नियम, 1987 (इसे इसके पासांतरा तिथि छह जून 1989) में, नियम 3 के उपनियम (2) के प्रस्तुत के स्थान पर, निम्नलिखित प्रस्तुत प्रतिस्पापित किया जाएगा, अधिकार—

“प्रस्तुत अधिकार के रूप में लिखी गई अंडेकेड की विविध की दशा में जो उच्चायम न्यायालय द्वा उच्च न्यायालय के पद से उपनिवृत्त हुआ है या अदस्य के रूप में लिखी ऐसे व्यक्ति की विविध की दशा में जो हिस्ती उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुआ है या बोर्ड का अदस्य रह चुका है या जो केंद्रीय सरकार अवश्य राज्य परामर्श को भेजा से प्रथमा किसी पंथान द्वा प्राप्तिकरण, चाहे फ़िर जाम दे उसे पुंजरा जाए, को भेजा से सेवानिवृत्त हुआ हो और जो वेतन, अभिदायी भविष्य निवि में लिखी रख का अभिदाय द्वा अध्य का में सेवानिवृत्ति प्राप्तिवाएं प्राप्त कर रहा हो या प्राप्त तरंग का हफ़्जार हो गया हो तो ऐसे अध्यक्ष या सदस्य के बेतन में पे उपर आया प्राप्त द्वा प्राप्त हो गया हो तो उन वाली पेंगत या अभिदायी भविष्य निवि में लिखी रख के अभिदाय द्वा अधिकारी प्रब्लम द्वा से सेवानिवृत्ति प्राप्तिवाएं, यदि कोई है, की सहज राशि द्वा कर दो जाएगी।”

ब्याख्या: उपदान के सम्बन्ध में वेतन की राशि अवश्य अवश्य सदस्य के बेतन में से नहीं काटी जाएगी।

[एक. सं. 4/8/88—प्राई. एक. -II]

मनोज चन्द्र न्यवादी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 1989

G.S.R. 668 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 36 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986), the Central

entral Government hereby makes the following rules to amend the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman and other Members) Rules, 1987, namely :

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman and other Members) Amendment Rules, 1989.

(2) They shall come into force with effect from the 1st day of June, 1988.

2. In the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman and other Members) Rules, 1987 (hereinafter referred to as the said rules), for proviso to sub-rule (2) of Rule 3, the following proviso shall be substituted, namely :

"Provided that in the case of an appointment of a person as a Chairman who has retired as a judge of the Supreme Court or a High Court or in the case of an appointment of a person as a Member who has retired as a judge of a High Court or had been a Member of the Board, or has retired from service under the Central Government or a State Government or from the service of any institution or authority, by whatever name called, and who is in receipt of, or has become entitled to receive, any retirement benefits by way of pension, employer's contribution to the Contributory Provident Fund or other forms of retirement benefits, the pay of such Chairman or Member shall be reduced by the gross amount of pension, or employer's contribution to the Contributory Provident Fund, or any other form of retirement benefits, if any, drawn or to be drawn by him."

Explanation : Amount of pension equivalent of gratuity shall not be deducted from the pay of a Chairman or a Member.

[F. No. 4]8|88-9[F.II]

M. C. SATYAWADI, Jt. Secy.

